

इंडियन प्लास्ट टाइम्स

■ INDORE ■ 12 JANUARY 2022 TO 18 JANUARY 2022

Inside News

Page 3

हलवाई की दुकान
पर बिकने वाली मिठाई-
नमकीन पर 1%
देना होगा जीएसटी



वर्ल्ड बैंक की मानें तो
उम्मीद से कम रहेगी भारत
की जीडीपी ग्रोथ

Page 4



■ प्रति बुधवार ■ वर्ष 07 ■ अंक 19 ■ पृष्ठ 8 ■ कीमत 5 रु.

ज्ञानोदय गोड्डा ने ई-
गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय
पुरस्कार जीता



Page 7

editoria!

महामारी पर मुस्तैदी

देशभर में कोरोना संक्रमण की बढ़ती संख्या के मद्देनजर हो रही कोशिशों का जायजा लेने तथा आगे की रणनीति बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अहम बैठक की है। इसमें उन्होंने जिला स्तर पर समुचित व्यवस्था करने, किशोरों का टीकाकरण तेज करने तथा वैज्ञानिक शोध जारी रखने का निर्देश दिया है। कोरोना की पिछली दो लहरों के दौरान अन्य बीमारियों के जांच-उपचार का काम बढ़े ऐमाने पर बाधित हुआ था, जिससे बहुत बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हुए थे। इस बार ऐसी स्थिति न पैदा हो, इसके लिए भी प्रधानमंत्री मोदी ने अधिकारियों को इंतजाम करने को कहा है। न केवल भारत में, बल्कि दुनिया के कई देशों से आ रही जानकारियां बता रही हैं कि टीकाकरण की वजह से कोरोना वायरस के डेल्टा वैरिएंट के फैलाव को रोकने में मदद तो मिल ही रही है, इससे ओमिक्रॉन वैरिएंट भी अधिक घातक नहीं हो पा रहा है। बीते माह प्रधानमंत्री मोदी ने ही जनवरी से 15 से 18 साल आयु के किशोरों के टीकाकरण अभियान की घोषणा की थी। यह बेहद उत्साहजनक है कि तीन जनवरी से नौ जनवरी के बीच इस आयु वर्ग के 31 फीसदी किशोरों को टीके की पहली खुराक दी जा चुकी है। इस गति को बरकरार रखने की ज़रूरत है, तभी प्रधानमंत्री ने इस संदर्भ में 'मिशन मोड' में आने को कहा है। दस जनवरी से बुजुर्गों और अहम कर्मियों को बूस्टर डोज देने का अभियान भी शुरू हो रहा है। वयस्कों में जिन लोगों ने खुराक नहीं ली है, उन्हें भी जल्दी टीका लगावाना चाहिए। ऐसा करने से ही व्यापक स्तर पर वायरस के विरुद्ध सामुदायिक प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो सकेगी तथा संक्रमण के जोखिम को कम किया जा सकेगा। सोमवार को लगभग 1.80 लाख संक्रमण के नये मामले सामने आये हैं और 146 लोगों की मृत्यु हुई है। निश्चित ही यह चिंताजनक है, लेकिन एक संतोष की बात यह है कि इस लहर में पांच से दस फीसदी संक्रमितों को ही अस्पताल में भर्ती करने की नौबत आ रही है, जबकि दूसरी लहर के दौरान यह दर 20 से 23 फीसदी रही थी। लेकिन हमें सचेत रहना है और किसी तरह की लापरवाही नहीं बरतनी है। प्रधानमंत्री मोदी ने उचित ही निर्देश दिया है कि जिन जगहों में सबसे अधिक संक्रमण के मामले आ रहे हैं, वहां अतिरिक्त निगरानी और व्यवस्था सुनिश्चित की जानी चाहिए। केंद्र सरकार के पहले के निर्देशों तथा राज्य सरकारों की समझी के बावजूद ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है, जो कोरोना प्रोटोकॉल का उल्लंघन करते हुए न मास्क लगा रहे हैं और न ही भीड़ से परहेज कर रहे हैं। ऐसा कर वे अपने और परिजनों के स्वास्थ्य एवं जीवन को खतरे में डाल रहे हैं। एक बार फिर प्रधानमंत्री मोदी ने उच्चस्तरीय बैठक में सावधानी बरतने की ओर ध्यान दिलाया है। याद रहे, सतर्क रहकर ही हम संक्रमण को जल्द ही नियंत्रित कर सकते हैं।

नई दिल्ली। एजेंसी

2022 के शुरुआत से ही कच्चे तेल के दामों में उबाल देखा जा रहा है। दो महीने के उच्चतम स्तर पर ट्रेड कर रहा है ऐसे में पेट्रोल डीजल के दामों के फिर से बढ़ने की आशंका जाताई जा रही है। पेट्रोल डीजल के दाम वैसे ही आम लोगों की जेब पर डाका डाल रहा है। लेकिन आने वाले दिनों में पेट्रोल डीजल के दामों में और दामों में 8 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है। क्योंकि 2022 के शुरुआत से ही कच्चे तेल के दामों में भारी उछाल देखने को मिला है। जनवरी 2022 में कच्चे तेल के दामों में 8 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है। फिलहाल कच्चा तेल 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। दरअसल दरअसल 2020 से इसे दोबारा धीरे धीरे इसे बहाल किया जा रहा है। अबतक करीब 6 मिलियन बैरल उत्पादन में कटौती

मांग में बढ़ोतरी के चलते कच्चे तेल के दामों में और भी इजाफा आने की संभावना है।

कच्चे तेल के दामों में उबाल

कच्चे तेल के दाम दो महीने के उच्चतम स्तर पर ट्रेड कर रहा है। 2022 के शुरुआत से ही कच्चे तेल के दामों में भारी उछाल देखने को मिला है। जनवरी 2022 में कच्चे तेल के दामों में 8 फीसदी की बढ़ोतरी आ चुकी है। फिलहाल कच्चा तेल 84 डॉलर प्रति बैरल के करीब कारोबार कर रहा है। दरअसल दरअसल 2020 से इसे दोबारा धीरे धीरे इसे बहाल किया जा रहा है। अबतक करीब 6 मिलियन बैरल उत्पादन में कटौती

तेल का उत्पादन बढ़ाना चाहिए उन्होंने उतना बढ़ाया नहीं है। जितनी मांग है उतनी सप्लाई नहीं है जिसके चलते कीमतों में बढ़ोतरी देखी जा रही है।

मार्च 2020 में कोरोना महामारी में उत्पादन घटाया गया

दरअसल मार्च 2020 में ओपेक प्लस देशों में कोरोना महामारी के मद्देनजर के दुनिया भर में लॉकडाउन के चलते कच्चे तेल की मांगों में भारी कमी के बाद 10 मिलियन बैरल उत्पादन में कटौती कर दी गई थी। हालांकि अगस्त 2020 से इसे दोबारा धीरे धीरे इसे बहाल किया जा रहा है। अबतक करीब 6 मिलियन बैरल उत्पादन में कटौती

को बहाल किया जा चुका है। अमेरिका और भारत समेत कई देश ओपेक प्लस देशों से कच्चे तेल के उत्पादन बढ़ाने की मांग करते आए हैं। ओपेक प्लस 23 देशों का संगठन है जिसका नेतृत्व सऊदी अरब और रूस करता है।

चुनाव के चलते मिल सकती है फौरी राहत

पांच राज्यों में विधानसभा 10 फरवरी से शुरू हो रहा है। ऐसे में ये भी संभावना है कि सरकार फिलहाल पेट्रोल डीजल के दामों में बढ़ोतरी का जोखिम नहीं लेगी। जिससे बोर्ट नाराज हों। इसका खामियाजा सरकारी तेल कंपनियों को फिलहाल उठाना होगा।

महामारी की नई लहर विश्व अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा शेर बाजारों का लाभ 2022 में सीमित रहेगा, रुपया जा सकता है 77 प्रति डॉलर पर मुंबई। एजेंसी

भारतीय शेर बाजार में वर्ष, 2020 के मध्य से जारी तेजी का दौर शायद जारी न रह पाए, क्योंकि नए साल में सुधारों के कई दौर देखने को मिलेंगे। यह आशंका जाताई है ब्रोकरेज कंपनी बैंक ऑफ अमेरिका (बोफा) सिक्योरिटीज इंडिया ने। वहाँ, जून से नीतिगत दरों में 0.25 प्रतिशत की कम-से-कम चार बार वृद्धि हो सकती है। इसके अलावा रुपया भी अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 77 प्रति डॉलर के स्तर तक जा सकता है।

सेसेक्स के बारे में कोई पूर्वानुमान नहीं

ब्रोकरेज फर्म ने मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट में कहा कि भारतीय बाजार वर्ष, 2022 में मौजूदा स्तर से करीब नौ प्रतिशत तक बढ़ सकता है और निपटी के दिसंबर अंत तक 19,000 के स्तर तक पहुंचने की उम्मीद है। हालांकि, उसने बीएसई सूचकांक सेसेक्स के बारे में कोई पूर्वानुमान नहीं जाताया है।

बोफा सिक्योरिटीज के शोध विश्लेषक अमीश शाह ने कहा कि जून, 2020 से शुरू होकर अक्टूबर, 2021 तक चला बाजार में तेजी का दौर शायद इस साल कायम नहीं रह पाए और बाजार का रिटर्न नौ प्रतिशत तक सीमित रह सकता है। उन्होंने कहा कि निपटी दिसंबर, 2022 के अंत में 19,100 अंक पर रह सकता है। उन्होंने कहा कि भारतीय शेर बाजार का मूल्यांकन उभरते बाजारों के अनुपात में करीब 28 फीसदी अधिक है, जबकि वैश्विक बाजारों की तुलना में यह 22 प्रतिशत ज्यादा है। इसके बावजूद घेरेलू कंपनियों के शेर आर्क्षक बने रहेंगे और यह ताइवान के बाद दूसरा सबसे ज्यादा रिटर्न दे सकता है। बोफा सिक्योरिटीज इंडिया के मूताबिक, कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमिक्रॉन की वजह से महामारी की नई लहर विश्व अर्थव्यवस्था के लिए बड़ा खतरा पेश कर रही है। ऐसी स्थिति में केंद्रीय बैंक मुद्रास्फीति पर काबू पाने के लिए तरलता सुविधा को उम्मीद से कहीं जल्द सख्त कर सकते हैं।

देश के विदेशी मुद्रा भंडार में गिरावट

1.466 अरब डॉलर घटकर 633.614 अरब डॉलर पर पहुंचा

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

देश का विदेशी मुद्रा भंडार 31 दिसंबर को समाप्त सप्ताह में 1.466 अरब डॉलर घटकर 633.614 अरब डॉलर रह गया। भारतीय रिजर्व बैंक के शुक्रवार को जारी आ

वाहन कल्पुर्जा
उद्योग की
जीएसटी दर
घटाने की मांग
नवी दिल्ली। एजेंसी

वाहन कल्पुर्जा उद्योग के निकाय एसीएमए ने सरकार से सभी कल्पुर्जा पर 18 प्रतिशत का एक समान माल एवं सेवा नकर (जीएसटी) लगाने का आग्रह किया है। निकाय का कहना है कि एक सामान जीएसटी दर से 'आपटरमार्केट' परिचालन में नकली कल्पुर्जा पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी। वाहन कल्पुर्जा विनिर्माता संघ (एसीएमए) ने अपनी बजट पूर्व सिफारिशों में सरकार से निर्यात उत्पादों पर शुल्क और करों की छूट (आरओडटीईपी) दरों को बढ़ाने को भी कहा है। एसीएमए के अध्यक्ष संजय कपूर ने एक बयान में कहा, "एक मध्यस्थ होने के नाते उद्योग ने वाहन कल्पुर्जा पर 18 प्रतिशत की एक समान जीएसटी दर की सिफारिश की है।"

नयी दिल्ली। एजें

खाद्य तेल निकाय सॉल्वर्ट
एक्स्ट्रैक्टर्स एसोसिएशन ने बुधवार
को कहा कि भारत का पाम तेल
आयात दिसंबर, 2021 में
29.15 प्रतिशत घटकर 5.44
लाख टन रह गया, लेकिन इसके
साथ ही आरबीडी पामोलिन का
आयात बढ़ने से घेरेलू रिफाइनरियों
के अस्तित्व को खतरा पैदा हो
गया है। दुनिया के प्रमुख वनस्पति
तेल खरीदार देश भारत ने दिसंबर
2020 में 7,68,392 टन पाम
तेल का आयात किया था।
दिसंबर, 2021 में पाम तेल का
आयात घटकर 5,44,343 टन
रह गया।

दिसंबर, 2021 में देश का
कुल वनस्पति तेल आयात 10

प्रतिशत घटकर 12.26 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 13.56 लाख टन था। देश के कुल वनस्पति तेल आयात में पाम तेल का हिस्सा 60 प्रतिशत से अधिक है। एसईए के अनुसार, आरबीडी पामोलिन के आयात में वृद्धि हुई है जिससे घेरेलू रिफाइनर प्रभावित होंगे। आरबीडी पामोलीन पर आयात शुल्क में कमी के बाद आरबीडी पामोलिन और कच्चे पाम तेल (सीपीओ) की कीमतों में भारी असमानता है। एसईए ने कहा कि सीपीओ पर आयात शुल्क में एक साथ कमी किए बिना (रिफाइंड) पामोलिन पर प्रभावी आयात शुल्क को 19.25 प्रतिशत से घटाकर 13.75

प्रतिशत करने से सीपीओ के बजाय रिफाइंड पामोलिन के आयात में वृद्धि होने की संभावना है। घरेलू रिफाइनर के लिए सीपीजो कच्चा माल है।”
एसईए ने कहा कि चूंकि मार्च, 2022 तक आरबीडी पामोलिन को कम शुल्क पर स्वतंत्र रूप से आयात करने की अनुमति दी गई है, इसलिए जनवरी-मार्च तिमाही के दौरान लगभग 10 से 12 लाख टन आरबीडी पामोलिन का आयात होने की उम्मीद है जिससे सीपीओ का आयात प्रभावित होगा। सीपीओ के प्रसंस्करण में 6,000 से 8,000 रुपये प्रति टन का खर्च आता है। इस स्थिति के कारण प्रसंस्करणकर्ता कंपनियों को अपनी रिफाइनरियां बंद करनी

पढ़ सकती हैं। एसईए के आंकड़ों से पता चलता है कि पाम तेल उत्पादों में, सीपीओ का आयात दिसंबर, 2021 में 29.59 प्रतिशत घटकर 5.28 लाख टन रह गया, जो एक साल पहले की अवधि में 7.48 लाख टन था।

क्रूड पाम कर्नेल ऑयल (सीपीकओ) का आयात भी एक साल पहले की समान अवधि के 19,486 टन से गिरकर 13,800 टन रह गया। हालांकि, दिसंबर 2021 में आरबीडी पामोलिन का आयात बढ़कर 24,000 टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 900 टन था। हल्के तेलों में सोयाबीन तेल का आयात पिछले साल दिसंबर में 21.57 प्रतिशत

बढ़कर 3.92 लाख टन हो गया, जो दिसंबर, 2020 में 3.22 लाख टन था। इसी तरह दिसंबर, 2021 में सूरजमुखी तेल का आयात 10 प्रतिशत बढ़कर 2.58 लाख टन हो गया, जो एक साल पहले की समान अवधि में 2.34 लाख टन था। एसईए के अनुसार, एक जनवरी तक खाद्य तेलों का स्टॉक 5.80 लाख टन अनुमानित था और लगभग 11.40 लाख टन पाइपलाइन में था। भारत मुख्य रूप से इंडोनेशिया और मलेशिया से पाम तेल का आयात करता है, और अर्जेंटीना से सोयाबीन तेल सहित कच्चे नरम तेल का छोटी मात्रा में आयात करता है। सूरजमुखी का तेल यूक्रेन और रूस से आयात किया जाता है।

जापान-सिंगापुर के पासपोर्ट सबसे शक्तिशाली, जानें भारत समेत दुनिया के अन्य देशों की क्या है स्थिति

नई दिल्ली। एजेंसी

मुद्रा भंडार में रखे यूरो, पॉंड और यैन जैसे गैर-अमेरिकी मुद्रा के घट

-बढ़ को भी शामिल किया जाता है। इस दौरान स्वर्ण भंडार का मूल्य 114 करोड़ डॉलर बढ़कर 391405 अरब डॉलर हो गया। आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष (आईएमएफ) के पास विशेष आहरण अधिकार 191114 अरब डॉलर पर अपरिवर्तित रहा। अंतरराष्ट्रीय मुद्राकोष में देश का मुद्रा भंडार भी 51207 अरब डॉलर पर पूर्ववत् बना रहा।

नई दिल्ली। एजेंसी
दुनिया में किस देश का पासपोर्ट सबसे
यादा शक्तिशाली है और दुनिया के किस
श के पासपोर्ट को सबसे कमज़ोर, इसे
श करने वाली साल 2022 में पासपोर्ट रै
री रैंकिंग सामने आ गई है। पासपोर्ट
वर्तन्त्रता को लेकर इंटरनेशनल एयर ट्रांसपोर्ट
सोसाइटेशन (आईएटीए) द्वारा प्रदान किए
ए विशेष आंकड़ों के आधार पर हेनले
पासपोर्ट इंडेक्स ने रैंकिंग जारी की है।
हेनले पासपोर्ट इंडेक्स में भारत 83वें स्थान
र है, जो अक्टूबर 2021 से सात स्थान
पर है। भारत के पास अब बिना पूर्व
जा के 60 देशों तक पहुंच हासिल है।
जापान और सिंगापुर सबसे ऊपर

इस सूची में जापान और सिंगापुर दोनों
ने सूची में फिर से पहला स्थान हासिल
किया। इन देशों के पासपोर्ट धारक 192
देशों में बिना वीजा के यात्रा कर सकते हैं।
इसके बाद जर्मनी और दक्षिण कोरिया के
पासपोर्ट एक बार फिर दूसरे स्थान पर
काबिज हैं। इन देशों के पासपोर्ट धारक
बिना पूर्व वीजा के 190 देशों की यात्रा कर
सकते हैं। जबकि फिनलैण्ड, इटली,
लक्जमर्बा और स्पेन संयुक्त रूप से सूची
की तीसरी रैंक साझा करते हैं। इन देशों के
नागरिक बिना वीजा के 189 देशों की
यात्रा कर सकते हैं। बिना पूर्व वीजा के
188 देशों तक पहुंच के साथ, प्रांस और
नीदरलैण्ड ऑस्ट्रिया और डेनमार्क में चौथे

नंबर पर शामिल होने के लिए एक स्थान
ऊपर चढ़ गए।

देशों की यात्रा कर सकते हैं

नौवें और दसवें पायदान पर ये देश हंगरी दो पायदान चढ़कर और पोलैंड तीन पायदान चढ़कर इस बार की सूची में आठवें स्थान पर पहुंच गया है। इन दोनों देशों के लोग बिना पूर्व वीजा के 184 देशों में प्रवेश कर सकते हैं। लिथुआनिया और स्लोवाकिया के पासपोर्ट नौवे स्थान पर हैं और यहां के नागरिकों को बिना पूर्व वीजा के 182 देशों की यात्रा करने का अधिकार है। एस्टोनिया, लातविया और स्लोवाकिया ने शक्तिशाली पासपोर्ट देशों की सूची में दसवीं रैंकिंग साझा की। इन देशों के पासपोर्ट धारक 181 देशों की बिना वीजा यात्रा का आनंद ले सकते हैं।

अमेरिकी कृषि विभाग की मंजूरी, अब अमेरिका को आम का निर्यात कर सकेगा भारत

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

भारत अब अमेरिका को आम का नियंता कर सकेगा। भारत को नए सत्र में अमेरिका को आम नियंता के लिए अमेरिकी कृषि विभाग (यूएसडीए) की मंजूरी मिल गई है। वाणिज्य मंत्रालय ने मंगलवार को यह जानकारी दी है। अमेरिका ने 2020 में भारतीय आमों का आयात रोक दिया था। उस समय कोविड-19 महामारी के कारण अंतर्राष्ट्रीय यात्रा पर लगाए गए प्रतिबंधों के चलते यूएसडीए निरीक्षक विकिरण सुविधाओं के निरीक्षण के लिए भारत का दौरा नहीं कर पाए थे। 23 नवंबर, 2021 को कृषि और किसान कल्याण विभाग और यूएसडीए

ने “2 बनाम 2” कृषि-बाजार पहुंच मुद्दों को लागू करने के लिए एक रूपरेखा समझौते पर हस्ताक्षर किए थे।

समझौते के तहत, दोनों देश भारतीय आम और अनार के निर्यात तथा अमेरिका से चेरी और अल्फाल्फा है के आयात पर विकिरण को एक संयुक्त प्रोटोकॉल का पालन करेंगे। मंत्रालय ने कहा कि एक संशोधित कार्ययोजना तैयार की गई है, जिसमें दोनों देशों के बीच सहमति के अनुसार भारत को विकिरण उपचार की पूर्व मंजूरी की निगरानी का चरणबद्ध हस्तांतरण शामिल है। मंत्रालय

ने कहा, “आपसी समझौते के तहत भारत मार्च के बाद से

अमेरिका को अल्फांसो किस्म का निर्यात शुरू करेगा।”
मंत्रालय के अनुसार, भारत ने वर्ष 2017-18 में अमेरिका को 27.5 लाख डॉलर के 800 टन आम का निर्यात किया था। इसी तरह, वर्ष 2018-19 में, 36.3 लाख डॉलर के 951 टन और वर्ष 2019-20 में 43.5 लाख डॉलर के 1,095 टन आम का निर्यात किया गया था। मंत्रालय ने कहा, “निर्यातकों से प्राप्त अनुमानों के अनुसार, वर्ष, 2022 में आम का निर्यात वर्ष 2019-20 के आंकड़े को पार कर सकता है।”

महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और आंध्र प्रदेश और तेलंगाना जैसे पारंपरिक

महंगाई बढ़ने की आशंका पर सेविंग्स के लिए क्या करते हैं लोग?

ਮੁੰਬਈ। ਏਜੋਂਸੀ

महंगाई बढ़ने की आशंका से परिवारों द्वारा बैंक जमा के रूप में अपने बचत 'पोर्टफोलियो' में बदलाव किया जा रहा है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मंगलवार को जारी एक अध्ययन रिपोर्ट में यह निष्कर्ष निकाला गया है। 'भारत में परिवारों की मुद्रासंकीति को लेकर उमीद पर संज्ञान' शीर्षक से जारी रिपोर्ट में कहा गया है कि मुद्रासंकीति यानी महंगाई को लेकर सोच परिवार के खर्च करने के व्यवहार और उसके चलते बचत के तरीकों को निर्धारित करती है। इस अध्ययन रिपोर्ट को आरबीआई के देवेन्ड्र प्रताप सिंह, आदित्य मिश्रा और पूर्णिमा शॉ ने लिखा है। इसमें कही गयी बातें लेखक के अपने विचार हैं न कि आरबीआई के। इसमें लिखा गया है, "हमने पाया कि परिवारों की महंगाई को लेकर सोच उनकी बचत के तौर-तरीकों को प्रभावित करती है। बैंक सावधि जमा पर इसका नकारात्मक असर पड़ता है। यानी जब वे सोचते हैं कि मुद्रासंकीति बढ़ेगी, तो जमा के रूप में बैंक सावधि जमा के लिए वे कम तरजीह देते हैं।" लेखकों का कहना है कि खासकर विकासशील अर्थव्यवस्था के मामले में परिवारों के लिए यह बढ़नीय है कि वे बांड या इक्विटी में निवेश करें, जिसे आगे उत्पादन बढ़ने वाली गतिविधियों में उपयोग किया जा सके। हालांकि, कॉरपोरेट बांड बाजार का विकास अभी शुरूआती चरण में है और इक्विटी यानी शेयर बाजार को लेकर जागरूकता कम है, ऐसे में ज्यादातर भारतीय परिवारों के लिए प्रमुख वित्तीय उत्पाद बैंक जमा है। इसमें कहा गया है कि अगर परिवारों को लगता है कि मध्यम अवधि में मुद्रासंकीति बढ़ेगी और उन्हें वास्तविक ब्याज दर कम होने से थोड़े ही स्टिर्न की उमीद है, ऐसे में उनके लिए सावधि जमा के मुकाबले आभूषण जैसी मूल्यवान धातुओं में निवेश महत्वपूर्ण हो जाता है।

कर्नाटक एएआर ने दिया नया फैसला

हलवाई की दुकान पर बिकने वाली मिठाई-नमकीन पर 1% देना होगा जीएसटी

एजेंसी। यह फैसला वैसे दुकानों के लिए है जो सिर्फ मिठाई-नमकीन बनाते हैं और काउंटर पर बेचते हैं। वैसे दुकान जो होटल या रेस्टोरेंट की तरह कुर्सी-टेबल लगाकर अपना प्रोडक्ट नहीं बेचते उन्हें ही 1 परसेंट की दर से मिठाई-नमकीन पर जीएसटी चुकाना होगा। आपके घर के आसपास चलने वाली हलवाई की दुकान अपनी मिठाई और नमकीन को महंगे रेट पर बेच सकती है। संभव है कि आने वाले दिनों में लाला की मिठाई की दुकान अपने लड्डू और रसगुल्ले के दाम बढ़ा दे। ऐसा इसलिए हो

सकता है क्योंकि काउंटर पर बेचे जाने वाली मिठाई या नमकीन पर सरकार 1 प्रतिशत जीएसटी वसूल सकती है। जीएसटी का यह नियम वैसी दुकानों पर लागू होगा जो सिर्फ मिठाई-नमकीन बनाते हैं। जो दुकान काउंटर पर खिलाने की सुविधा नहीं देती, उन पर ही नया नियम लागू होगा। कर्नाटक अर्थोरिटी ऑफ एडवांस रूलिंग ने इसका आदेश दिया है।

कर्नाटक एएआर ने अपने आदेश में कहा है कि वैसे दुकानदार जो मिठाई, नमकीन बनाते हैं और अपने काउंटर पर बेचते हैं, लेकिन

यह दुकान 'कॉम्पोजिशन टैक्सपेयर' में आती है। काउंटर से ही मिठाई नमकीन बेचने का काम होता है। दुकानदार की दलील है कि कॉम्पोजिशन टैक्सपेयर के नाते वह अपने कुल टर्नओवर पर 1 फीसदी जीएसटी देता है। चूंकि दुकान से सिर्फ बेचने-बेचने का काम होता है और खिलाने की सुविधा नहीं देता।

क्या है मामला

दरअसल यह फैसला कर्नाटक एएआर ने दिया है जहां चिक्कावीरजा स्वीट स्टॉल के मालिक ने अपने मामले में गुहार लगाई। यह स्वीट स्टॉल मिठाई बनाता है और रिटेल में बेचता है। जीएसटी के तहत

यह दुकान 'कॉम्पोजिशन टैक्सपेयर' में आती है। काउंटर से ही मिठाई नमकीन बेचने का काम होता है। दुकानदार की दलील है कि कॉम्पोजिशन टैक्सपेयर के नाते वह अपने कुल टर्नओवर पर 1 फीसदी जीएसटी देता है। चूंकि दुकान से सिर्फ बेचने-बेचने का काम होता है और खिलाने की सुविधा नहीं देता, इसलिए 1 प्रतिशत जीएसटी जमा किया जाता है।

एएआर ने फैसले में क्या कहा आवेदक ने कर्नाटक एएआर से गुहार लगाई कि दुकान पर बिकने वाली मिठाई और नमकीन के लिए



केवल काउंटर पर बिक्री करते हैं, वे 1 प्रतिशत जीएसटी के दायरे में आएंगे। ऐसे दुकानदारों को 0.5 प्रतिशत सीओएसटी और 0.5 प्रतिशत एसजीएसटी देना होगा। एक ऐसे ही फैसले में गुजरात एएआर ने फ्रायम पापड़ पर 18 परसेंट जीएसटी का फैसला दिया है। एएआर ने कहा है कि 'रेडी टू इंट' प्रोडक्ट पर 18 फीसदी जीएसटी लगेगा। इससे पहले गुजरात एएआर ने ही कहा था कि फ्रायम पापड़ जैसे प्रोडक्ट को जीएसटी से अलग रखा जाएगा।

जीएसटी में परेशान कर रहे साल के 26 रिटर्न, प्रक्रिया को सरल बनाना जरूरी

इंदौर। आईपीटी नेटवर्क

जीएसटी में आम कारोबारी को साल में लगभग 26 रिटर्न जमा करना पड़ रहे हैं। रिटर्न में हर व्यापारी को बेचे गए और प्राप्त सामग्री या सेवा का एक-एक बिल अपलोड करने जैसे नियम प्रक्रिया को और कठिन बना रहे हैं। आम बजट से पहले केंद्र सरकार से मांग की जा रही है कि टैक्स भले घटाएं न घटाएं लेकिन जीएसटी की प्रक्रिया को आसान करें। बजट पूर्व सुझावों का प्रस्ताव इंदौर के कर विशेषज्ञों ने तैयार किया है और केंद्रीय वित्तमंत्री को भेजा है। कर सलाहकारों ने कहा है कि जीएसटी की प्रक्रिया को आसान किया जाए तो टैक्स कलेक्शन के साथ कारोबारियों और सीए की आसानी भी बढ़ जाएगी।

टैक्स प्रेविटशनर्स एसोसिएशन (टीपीए) इंदौर के प्रतिनिधि मंडल ने बजट से पहले जीएसटी में जरूरी बदलावों को लेकर ज्ञापन राज्य कर आयुक्त लोकेश जाटव और सीजीएसटी आयुक्त पार्थ राय चौधरी को सौंपी। केंद्रीय अधिकारियों और वित्तमंत्री निर्णया सीतारमण को भी प्रति भेजी गई है। टीपीए ने ज्ञापन और प्रतिवेदन में जीएसटी प्रविधानों के साथ उससे पैदा हो रही परेशानी का उल्लेख किया है। साथ ही उसके निराकरण के लिए अपनी ओर से सुझाव भी लिखा है। टीपीए अध्यक्ष सीए शेलेन्स सोलंकी के अनुसार टैक्स प्रैविटशनर्स एसोसिएशन (टीपीए) इंदौर ने अपने सभी सदस्यों से प्री - बजट मेमोरेंडम के लिए सुझाव मांगे थे। व्यापार में आ रही कठिनाइयों के लिए वर्ष भर में

13 जगह तीन रिटर्न किए जा सकते हैं। इसके साथ इनपुट टैक्स क्रेडिट, रिवर्स चार्ज, व्यवसाय के रजिस्ट्रेशन, रिटर्न को रिवाइज करने के प्रविधान, टैक्स पर लगने वाले व्याज के युक्ति करण, एक्सपोर्ट पर डृचूटी रिफंड, जीएसटी ट्रिब्यूनल के गठन करने जैसे तमाम सुझाव शामिल हैं। सात दिसंबर सुझाव प्रेषित करने की अंतिम तिथि है।

शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रूपया 16 पैसे मजबूत मुंबई। एजेसी

विदेशी बाजार में अमेरिकी मुद्रा के कमज़ोर होने और घरेलू शेयर बाजार में मजबूत बढ़त के चलते रूपया बुधवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 16 पैसे मजबूत होकर 73.78 पर पहुंच गया।

अंतर्राष्ट्रीय विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रूपया अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 73.78 पर खुला, जो पिछले बंद भाव के मुकाबले 16 पैसे की बढ़त को दर्शाता है। शुरुआती सौदों में रूपया 73.90 पर पहुंच गया था। रूपया पिछले सत्र में डॉलर के मुकाबले 73.94 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 95.56 पर था। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड वायदा 0.11 प्रतिशत गिरकर 83.63 डॉलर प्रति बैरल के भाव पर था।

प्लास्ट टाइम्स

व्यापार की बुलंद आवाज

अपनी प्रति आज ही बुक करवाएं

सरकार ने कंपनियों के लिये आयकर रिटर्न भरने की समयसीमा 15 मार्च तक बढ़ाई

नयी दिल्ली। आईपीटी नेटवर्क

सरकार ने मार्च, 2021 को समाप्त वित्त वर्ष के लिए कंपनियों द्वारा आयकर रिटर्न (आईटीआर) भरने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 15 मार्च कर दी है। इसके साथ ही वित्त वर्ष 2020-21 के लिये कर आॅडिट रिपोर्ट और 'ट्रांसफर प्राइसिंग आॅडिट' रिपोर्ट जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 15 फरवरी की गई है। यह तीसरा मौका है जब कंपनियों के लिये 2020-21 को लेकर आयकर रिटर्न जमा करने की अंतिम तिथि 31 अक्टूबर थी। वहीं 'ट्रांसफर प्राइसिंग' सौदों के लिये रिपोर्ट जमा करने की तारीख 30 नवंबर थी।

केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) ने मंगलवार को एक बयान में कहा कि कोविड और विभिन्न आॅडिट रिपोर्ट को इलेक्ट्रॉनिक रूप से जमा करने में करदाताओं और अन्य संबंधित पक्षों को होने वाली कठिनाइयों को देखते हुए आकलन वर्ष 2021-22 (वित्त वर्ष 2020-21) के लिये आयकर रिटर्न तथा

विज्ञापन के लिए संपर्क करें।

83052-99999

indianplasttimes@gmail.com

वर्ल्ड बैंक की मानें तो उम्मीद से कम रहेगी भारत की जीडीपी ग्रोथ, जानिए कितने का है फर्क



नई दिल्ली। एजेंसी

चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ को लेकर दो बड़े अनुमान में तकरीबन एक फीसदी का अंतर देखा जा रहा है। वर्ल्ड बैंक के जीडीपी ग्रोथ के अनुमान 8.3 फीसदी के करीब हैं, जबकि भारत सरकार के एनएसओ के आंकड़े कहते हैं कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 9.2 फीसदी रह सकती है।

वर्ष 2022 में चैटबॉट का चलन बढ़ेगा, प्रौद्योगिकी क्षेत्र में नियुक्तियां बढ़ेंगी : रिपोर्ट

मुंबई। एजेंसी

सूचना प्रायोगिकी, बैंकिंग, वित्तीय सेवा और बीमा (बीएफएसआई) तथा कृतिम मेधा (एआई) जैसे तकनीक आधारित क्षेत्रों में वर्ष 2022 के दौरान भी नियुक्तियों में तेजी रहेगी। बीते साल यानी 2021 में इन क्षेत्रों में सुधार देखा गया था। मॉन्टरडॉटकॉम की एक रिपोर्ट के अनुसार, उद्योगों और आईटी जैसे पूरी तरह से तकनीक-सक्षम क्षेत्रों में तेजी से प्रौद्योगिकी को अपनाने से एआई और मशीन लर्निंग की भूमिका 2022 में और बढ़ेगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि सभी क्षेत्रों में प्रौद्योगिकी का चलन या इस्तेमाल फिर से दोगुना हो गया। अधिक से अधिक कंपनियों ने नयी सामान्य स्थिति को समायोजित करने के लिए अपनी संगठनात्मक रणनीतियों और लक्ष्यों में बदलाव किया। मॉन्टरडॉटकॉम के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) शेखर गरिसा ने कहा, “साल 2021 निश्चित तौर पर सुधार का साल था। हम नए साल में कदम रख रहे हैं। हम 2022 में बेहतर रोजगार के अवसरों को पैदा करने की उम्मीद कर रहे हैं।” उन्होंने कहा कि आईटी, वित्तीय प्रयोगिकी, बीएफएसआई, और क्रिप्टो जैसे प्रमुख तकनीकी-सक्षम उद्योग प्रतिभा की मांग के साथ फलते-फूलते रहेंगे। इसके अलावा रिपोर्ट में कहा गया कि कंपनियां ग्राहकों के साथ जुड़ाव बढ़ाने के लिए चैटबॉट से ग्राहक सहायता सेवाओं को चैटबॉट से संगठनों की ग्राहक सहायता सेवाओं को चैटबॉट से संस्कृत करते हुए कहा है कि एक सार्वजनिक

लेकर यह अनुमान जताया है। वर्ल्ड बैंक का यह अनुमान ऐसे बत्त आया है, जब कुछ दिन पहले ही भारत सरकार ने अपने पहले आधिकारिक अनुमान में वित्त वर्ष 2022 में भारत की जीडीपी ग्रोथ रेट 9.2 फीसदी रहने की बात की है।

पिछले साल के कम बेस का असर

भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकीय कार्यालय ने पिछले शुक्रवार को जीर्णी आंकड़े में देश की विकास दर वित्त वर्ष 2021-22 में 9.2 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया है। वर्ल्ड बैंक ने वित्त वर्ष 2023 और वित्त वर्ष 2024 के लिए भारत के अपने अनुमान को बढ़ाकर 8.7 फीसदी और 6.8 फीसदी कर दिया है। वर्ल्ड बैंक ने मंगलवार को ग्लोबल इकानॉमिक प्रॉस्पेक्टस रिपोर्ट में भारत की जीडीपी

भारतीय रिजर्व बैंक के 2021-22 के लिए जताए गए 9.5 फीसदी जीडीपी ग्रोथ रेट के अनुमान से कुछ कम है।

ग्लोबल ग्रोथ रेट में कमी

वर्ल्ड बैंक ने बताया कि साल 2021 में ग्लोबल ग्रोथ रेट 5.5 फीसदी रही है। हालांकि साल 2022 में इसमें गिरावट आने के साथ संकेत दिख रहे हैं और यह 4.1 फीसदी रह सकती है। साल 2023 में यह और घटकर 3.2 फीसदी पर आ सकती है। वर्ल्ड बैंक ने इसके पीछे पेंट-अप डिमांड के धीमा पड़ने और सरकारों की तरफ से महामारी में बड़े पैमाने पर जारी किए वित्तीय उपायों के असर के कम पड़ने को बजह बताया है।

एनएसओ का बयान

एनएसओ ने भारत की जीडीपी के लिए कहा, ‘कास्टेंट प्राइस पर भारत की रियल जीडीपी साल 2021-22 में 147.54 लाख करोड़ रुपये रहने का अनुमान है।

इससे पहले 31 मई 2021 को साल 2020-21 के लिये जारी प्रोविजनल एस्टीमेट में यह 135.13 लाख करोड़ रुपये था। इस तरह 2021-22 में रियल जीडीपी की ग्रोथ रेट 9.2 फीसदी रहने का अनुमान है।

जीडीपी के आंकड़ों से देश की सेहत का अंदाजा

ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट यानी सकल घरेलू उत्पाद किसी एक साल में देश में पैदा होने वाले सभी सामानों और सेवाओं की कुल वैल्यू को कहते हैं। जीडीपी किसी देश के आर्थिक विकास का सबसे बड़ा पैमाना है। अधिक जीडीपी का मतलब यह है कि देश की आर्थिक बढ़ोतारी हो रही है। अगर जीडीपी बढ़ती है तो इसका मतलब है कि अर्थव्यवस्था ज्यादा रोजगार पैदा कर रही है। इसका यह भी मतलब है कि लोगों की आमदनी से खरीदते हैं।

कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों के तहत 2030 तक होगा 395 अरब डॉलर का निवेश

मुंबई। एजेंसी

भारत में आक्रमक तरीके से कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के लक्ष्य को हासिल करने के लिये ऊर्जा अर्थव्यवस्था के हरित ईंधन की ओर बढ़ने से इस क्षेत्र में 2030 तक 395 अरब डॉलर के निवेश का अनुमान है। अमेरिकी ब्रोकरेज कंपनी ने सोमवार को यह कहा। पेरिस जलवायु समझौते (सीओपी21) में भारत ने स्वयं से राष्ट्रीय स्तर पर निर्धारित योगदान के तहत 2030 तक कुल स्थापित बिजली की स्थापित क्षमता 5,00,000 मेगावॉट पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

इसके साथ गैर-जीवाशम ईंधन आधारित ऊर्जा की स्थापित क्षमता 1,56,830 मेगावॉट यानी कुल स्थापित क्षमता 3,90,800 मेगावॉट का 40.1 प्रतिशत पर पहुंच गयी। यह सरकार के नवंबर में ग्लासगो (ब्रिटेन) में आयोजित जलवायु सम्मेलन करने की प्रतिबद्धता जतायी थी।

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने पिछले महीने कहा कि

नवीकरणीय ऊर्जा की स्थापित क्षमता के 1,50,050 मेगावॉट पहुंचने और परमाणु ऊर्जा क्षमता 6,780 मेगावॉट होने के साथ यह लक्ष्य निर्धारित समय से बहुत पहले नवंबर, 2021 में ही हासिल कर लिया गया। मंत्रालय ने 2030 तक गैर-जीवाशम ईंधन आधारित बिजली की स्थापित क्षमता 5,00,000 मेगावॉट पर पहुंचाने की प्रतिबद्धता दोहरायी।

इसके साथ गैर-जीवाशम ईंधन आधारित ऊर्जा की स्थापित क्षमता 1,56,830 मेगावॉट यानी कुल स्थापित क्षमता 3,90,800 मेगावॉट का 40.1 प्रतिशत पर पहुंच गयी। यह सरकार के नवंबर में ग्लासगो (ब्रिटेन) में आयोजित जलवायु सम्मेलन करने की प्रतिबद्धता जतायी थी।

(सीओपी26) में की गयी घोषणा के अनुरूप है। बैंक ऑफ अमेरिका सिक्योरिटीज इंडिया के शोध विश्लेषक अमीश शाह ने संवाददाताओं से बातचीत में कहा कि कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों के साथ भारत बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के अनुरूप कदम उठा रहा है। उन्होंने कहा कि नवीकरणीय ऊर्जा पर जोर के साथ कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों के तहत इस दशक के दौरान यानी 2030 तक 395 अरब डॉलर का निवेश होने का अनुमान है। हालांकि, उन्होंने यह नहीं बताया कि इसमें अबतक कितना निवेश हो चुका है।

कार्बन उत्सर्जन में कमी लाने के प्रयासों में डीजल के उपयोग में कमी

लाना, तेजी से नवीकरणीय ऊर्जा को अपनाना, प्राकृतिक गैस की आपूर्ति को बेहतर बनाना, निजी कंपनियों को शुद्ध रूप से शून्य कार्बन उत्सर्जन के लिये प्रेरित करना, देशभर में बिजली वित्तण का निजीकरण कर ऊर्जा दक्षता में सुधार लाना तथा जल शोधन की बेहतर व्यवस्था शामिल हैं। ब्रोकरेज कंपनी के अनुसार, इस दिशा में अन्य प्रयासों में रेलवे के जरिये अधिक माल ढुलाई सुनिश्चित करने के लिए माल ढुलाई क्षमता में विस्तार, डीजल से चलने वाले सार्वजनिक परिवहन को कम करके अधिक मेट्रो रेल परियोजनाओं को चालू करना, मौजूदा तारीय बिजली संयंत्रों को दक्ष बनाना, रेलवे विद्युतीकरण को पूरा करना आदि शामिल हैं।

हाइड्रोजन उद्योग की बजट में नीतिगत समर्थन दिए जाने की मांग

नयी दिल्ली। एजेंसी

उद्योग निकाय इंडिया हाइड्रोजन अलायंस (आईएच2ए) ने देश में हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था के विकास के लिए सरकार से बजट में समर्थन देने की गुहार लगाई है। आईएच2ए ने देशभर में 10 राष्ट्रीय भारत-एच2 क्लस्टर के गठन और एक अरब डॉलर का हाइड्रोजन अर्थव्यवस्था विकास कोष (एचईडीएफ) बनाने की मांग करते हुए कहा है कि एक सार्वजनिक

एवं निजी कार्बन का भी गठन करने की जरूरत है। आईएच2ए ने देशभर में कहा, “भारत में हाइड्रोजन के विकास की जरूरत है। हाइड्रोजन के विकास के लिए वित्तपोषण समर्थन महत्वपूर्ण है। नीतिगत हस्तक्षेपों का एक समग्र ढांचा

और समूची हाइड्रोजन आपूर्ति शृंखला को समाहित करने वाले बजट प्रोत्साहन जरूरी है।” आईएच2ए के संस्थापक सदस्य और चार्ट इंडस्ट्रीज के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्बनीय जिल इवांको ने कहा, “हाइड्रोजन के लिए सार्वजनिक एवं निजी वित्तपोषण की जड़ में समूची आपूर्ति शृंखला होनी चाहिए। इसमें उत्पादन, भंडारण एवं परिवहन से लेकर मांग पक्ष का भी ध्यान रखा जाए। इससे अर्थव्यवस्था को कार्बनमुक्त बनाने में म

ओमीक्रोन से संक्रमित होने वालों को मिल जाएगी कोरोना से जीवनभर की सुरक्षा?

नई दिल्ली। एजेंसी

कोरोना वायरस के नए वेरियेंट ओमीक्रोन को सार्थकोव2 के खिलाफ नैचरल एंटिबॉडी बताया जा रहा है। कुछ एक्सप्टर्स का दावा है कि ओमीक्रोन जाने-अनजाने हमें फायदा ही पहुंचा रहा है। उनकी मानें तो कोविड वैक्सीन और कोरोना की पहले आई लहरों से जो काम नहीं हो पाया, वो ओमीक्रोन कर देगा। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या जिसे ओमीक्रोन का संक्रमण हो रहा है, वो कोरोना से हमेशा के लिए सुरक्षित हो जाएंगे?

दुनिया में अरबों लोगों को नहीं लगा कोरोना टीका

कोविड-19 महामारी उभरने के दो साल बाद भी बड़ी संख्या में लोग कोरोना संक्रमण से बचे हैं। हालांकि, इन दो सालों में कोरोडों या कहें अरबों लोगों को इस नई बीमारी ने अपनी चपेट में ले लिया है। इधर, धनी देशों को छोड़कर दुनियाभर के ज्यादातर देशों में कोविड टीकाकरण धीमी गति से आगे बढ़ रहा है। यानी, अब भी अरबों लोग टीके के इंतजार में हैं।

कोरोना के खिलाफ प्राकृतिक सुरक्षा कवच है ओमीक्रोन?

हालांकि, ओमीक्रोन के संक्रमण की रफ्तार इतनी तेज है कि पिछली लहरों के मुकाबले बड़े-बड़े मानव समूह संक्रमित हो रहे हैं। इस कारण दिल्ली जैसे शहर में भी वायरस का संक्रमण तेजी से फैल रहा है जहां टीकाकरण का बढ़िया रिकॉर्ड है। इस कारण लगता है कि ओमीक्रोन वेरियेंट दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच जाएगा और लोगों में आने वाले वेरियेंट्स के खिलाफ सुरक्षा कवच तैयार कर देगा। जिन देशों में लोगों को दूसरी और तीसरी

डोज भी लग गई है, वहां भी ओमीक्रोन के प्रसार से सुरक्षा का स्तर कई गुना बढ़ जाएगा।

कुछ एक्सप्टर्स सहमत नहीं

हालांकि, कुछ एक्सप्टर्स को इस नजरिए पर संदेह है। प्रतिष्ठित प्रकाशनों में आई हालिया रिपोर्ट्स कहा गया है कि ओमीक्रोन को लेकर जताए जा रहे ये विचार साराहनीय तो हैं, लेकिन अभी बहुत से राज सामने आने बाकी हैं ताकि अनुमानों को सच करार दिया जा सके। द अटलांटिक में प्रकाशित एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वायरस या संक्रमण से घुसे या फिर वैक्सीन से, आपके शरीर में इम्यूनिटी पैदा करता है, लेकिन ऐसी कोई वैक्सीन या वेरियेंट नहीं जो कोविड से पूरी तरह सुरक्षा दे सके। इसका प्रमुख कारण यह है कि कोरोना वायरस म्यूटेशन करता रहता है यानी बदलता रहता है। ओमीक्रोन बुहान से निकलने वाले वायरस से अलग है क्योंकि इसके स्पाइक प्रोटीन में 34 म्यूटेशन हैं। यह मानने का कोई कारण नहीं कि ओमीक्रोन, कोरोना वायरस का आखिरी वेरियेंट है और भविष्य में कोई वेरियेंट नहीं आएगा।

संक्रमण और टीके से बनी इम्यूनिटी का अंतर समझें

रिपोर्ट कहती है कि जब आपका इम्यून सिस्टम कोई समस्या दूँढ़ लेता है तो वह वायरस से जुड़ी सूचनाएं लंबे समय तक संजोकर रखता है जिससे भविष्य में फिर कभी संक्रमण हो तो उसका मुकाबले बेहतर तरीके से किया जा सके। जो लोग टीका लेने के बाद भी वायरस से संक्रमित हो जाते हैं, उनकी भी इम्यूनिटी बढ़ जाती है। संक्रमण और टीकाकरण से पैदा हुई इम्यूनिटी में अंतर यही है कि संक्रमण होने पर इम्यूनिटी सिस्टम समस्या पाते ही वायरस की पूरी रचना को समझ लेता है जबकि ज्यादातर टीके शरीर को सिर्फ वायरस के स्पाइक को समझना सिखाते हैं, उसकी पूरी रचना को नहीं।

टीके से ज्यादा अच्छी इम्यूनिटी संक्रमण की दूसरी बात यह है कि जिस



सूर्योदय के मकर राशि में प्रवेश को मकर संक्रान्ति कहा जाता है। इस शुभ दिन को देश के अनेक हिस्सों में एक नई शुरुआत के रूप में देखा जाता है। स्कन्द पुराण के अनुसार, मकर संक्रान्ति के दिन यज्ञ में दिए गए द्रव्य को ग्रहण करने के लिए देवता पृथ्वी पर आते हैं। इसीलिए इसे देवताओं का समय, दिव्यता का समय माना जाता है। त्योहारों के बारे में हमेशा कुछ ऐसा होता है, जो खूबसूरत ही होता है। वास्तव में, भारतीय त्योहारों में कहीं न कहीं गहरा संदेश और अनुष्ठानों में अनोखापन होता है। हर पर्व-त्योहार और अनुष्ठान उन दिव्य

गुणों की पहचान है, जो हमारे अंदर भी निहित होते हैं।

दिवाली जैसे हमारे अंदर प्रचुर मात्रा में उपलब्ध प्रकाश से हमारा पुनर्मिलन करवाती है, उसी तरह मकर संक्रान्ति हमारी दिव्य विरासत से हमें रूबरू करवाती है, जो हमारे चारों ओर बिखरी है और इसे सभी के साथ साझा करने के मानवीय दायित्व का भी आभास करवाती है। मकर संक्रान्ति प्रारंभ होती है, हमारी पहली फसल के लेने और उसे सब में बांटने से। कठिन मेहनत और उसके बाद उसके फल को प्राप्त कर उसे आपस में बांटने के लिए उत्सव मनाया जाता है। गांवों में, पहली गन्ने की फसल, पहली

चावल की खेप दिव्यता को समर्पित करते हैं और आपस में भी बांटते हैं। तभी किसान अपनी पूरी फसल अपने लिए प्रयोग में लाता है।

संक्रान्ति का मूल भाव ही बांटने की संस्कृति का होता है और यह सिर्फ फसल तक ही सीमित नहीं होता है। त्योहार हमें यह भी याद दिलाते हैं कि इस दिव्य विरासत को हम उन लोगों में भी बांटें, जो अपेक्षाकृत कम भाग्यशाली हैं, जो त्योहार नहीं मना पा रहे हैं। संक्रान्ति के साथ एक और परम्परा जुड़ी हुई है कि इस दिन गुड़-तिल बांटे जाते हैं। इसके पीछे भी बहुत बड़ा संदेश है। तिल जहां हमारे अस्तित्व की सहजता को दर्शाता है, वहीं गुड़ दुनिया की सारी मिठास को। इस प्रतीकात्मक तथ्य के पीछे उद्देश्य ही यह है कि सबके पास यह आशीर्वाद हो कि वे सहज, सामान्य, अहंकार रहित हों और हमेशा मीठा ही बोलें।

हम तिल की तरह हैं। हमारा इस ब्रह्मांड में होने का महत्व क्या है? जीवन क्या है? हमारा जीवन छोटे से तिल के समान है, एक कण! देखा जाए तो कुछ नहीं। तिल बाहर से काला होता है और अंदर से सफेद। यह दर्शाता है कि हमें अपना अंदर उजला यानि शुद्ध रखना है। यदि आप तिल को थोड़ा-सा रगड़ें, तो वह बाहर भी सफेद हो जाता है, अर्थ यही है कि हम जब हमारे बाहरी आवरण उतार देते हैं, तो पाते हैं कि हम अंदर से उतने ही पवित्र हैं। हमें यह याद रखना चाहिए कि हम सहज, सामान्य और मीठे हैं, ठीक उसी तरह जैसे तिल और गुड़ हैं। जब भी कोई खुद को बहुत बड़ा मानने लगता है, तो उसका पतन प्रारम्भ हो जाता है। यह एक प्रयोगवादी सत्य है।

हम अपने आसपास कई लोगों को देखते हैं। जैसे ही हमारे अंदर अकड़ आती है कि मैं कुछ हूं वैसे ही आते हैं। यह वह समय है, जब हम बीज बोते हैं और उस बीजारोपण के साथनई फसल की भूमिका रखते हैं।

पतन की शुरुआत हो जाती है। मैं हूं कि पूरा साल ही वैसे तो दिव्य है, लेकिन इस समय को थोड़ा और अधिक दिव्य माना जाता है। इसके बाद ही सारे त्योहार प्रारम्भ होते हैं।

साल में दो दिन होते हैं, जब कोई भी अपनी आध्यात्मिक यात्रा की प्रगति का मूल्यांकन कर सकता है। एक है मकर संक्रान्ति और दूसरा गुरु पूर्णिमा। यह दोनों आपस में भी लगभग आधे-आधे साल के अंतर में ही आते हैं। इस मौके को तुरंत भुनाइये और अपने नवीन संकल्प इस दिन से प्रारंभ करिए। जब आप इस अध्यात्म के रास्ते पर आ जाते हैं, तब आपके लिए कोई वर्ष, कोई दिन या कोई पल ऐसा नहीं होता है कि वह दिव्य न हो।

मकर संक्रान्ति का महत्व होता है कि सूर्योदय उत्तरायण हो जाते हैं, वह उत्तर की ओर होने लगते हैं। इसे उत्तरायण पूर्ण काल कहा जाता है, जो देवताओं का समय है, दिव्यता का समय है। यह सही

युवा दिवस पर पर मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूशन्स में 'युवोऽहम्' सेल्फ़ डिफ़ेस कार्यशाला आयोजित

इंदौर। एजेंसी

मॉडर्न ग्रुप ऑफ़ इंस्टीट्यूट के बृमन एंपावरमेंट सेल एवं मिशन साहसी अभिविप इंदौर के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय युवा दिवस- स्वामी विवेकानंद जयंती के उपलक्ष्य में सेल्फ़ डिफ़ेस कार्यशाला का आयोजन कॉलेज परिसर में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में डॉ. सचिन शर्मा जी रीजनल डायरेक्टर, भोज ओपन यूनिवर्सिटी उपस्थित थे। श्री शर्मा



जी ने अपने उद्घोषन में स्वामी विवेकानंद जी के जीवन के उदाहरणों को सुनाते हुए समस्त छात्रों को युवा दिवस का महत्व बताया। उन्होंने स्वामी जी के शिकायों सर्वधर्म सम्मेलन का उल्लेख अपने उद्घोषन में किया। वर्कशॉप में समस्त छात्र छात्राओं को श्री विकास शर्मा (मिक्स मार्शल आर्ट एंड योग) और अनिल खरया एवं उपाध्यक्ष श्री शांतनु खरया ने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम में स्वागत भाषण संस्था के समूह निदेशक डॉ. पुनीत कुमार द्विवेदी ने दिया। अपने स्वागत भाषण में डॉ. द्विवेदी ने विद्यार्थियों से स्वामी विवेकानंद जी के जीवन से सीख लेने हित प्रेरित किया। कॉलेज की फार्मा विभागाध्यक्ष डॉ. सपना मालवीय द्वारा महिला सशक्तिकरण विषय पर भाषण दिया गया। कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रूप में अभिविप के महानगर सहमंत्री श्री यशेश यादव जी एवं छात्र विस्तारिका मंगल टेकाम जी (राष्ट्रीय सह-संयोजक- विकासार्थी विद्यार्थी) भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल की प्राध्यापिका श्रीमती प्रदन्या कस्तूरे द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग अध्यक्ष डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री चेताली पांडे, रोहित यादव नेहा शर्मा, महिमा शर्मा व अन्य स्टाफ उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन प्रो००० महिमा सोनी द्वारा किया गया। संस्थाध्यक्ष डॉ. अनिल खरया एवं उपाध्यक्ष श्री शांतनु खरया ने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की

विद्यार्थी भी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आभार मॉडर्न इंटरनेशनल स्कूल की प्राध्यापिका श्रीमती प्रदन्या कस्तूरे द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग अध्यक्ष डॉ. कुलदीप अग्निहोत्री चेताली पांडे, रोहित यादव नेहा शर्मा, महिमा शर्मा व अन्य स्टाफ उपस्थित था। कार्यक्रम का संचालन प्रो००० महिमा सोनी द्वारा किया गया। संस्थाध्यक्ष डॉ. अनिल खरया एवं उपाध्यक्ष श्री शांतनु खरया ने सभी को राष्ट्रीय युवा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

युवा मोर्चा द्वारा विवेकानंद जयंती मनाई गई

इंदौर। एजेंसी

भारतीय जनता पार्टी महू विधानसभा के लोकप्रिय विधायक कैविनेट मंत्री पर्यटन संस्कृति एवं आध्यात्मिक विभाग सुश्री उषा जी ठाकुर दीवी के नेतृत्व में एवं नवनियुक्त युवा मोर्चा इंदौर ग्रामीणजिलाध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर के आतिथ्य में कें.जी. महेश्वरी मंडल के युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष अमित जोशी के नेतृत्व में विवेकानंद जी की जयंती को युवा दिवस के रूप में महू शमशान घाट स्थित विवेकानंद जी की प्रतिमा पर दूध अधिष्ठेक कर कुमुक चांचल से पूजन कर पुष्प माल्यार्पण की गई। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता शेखर बुदेला ने युवाओं को विवेकानंद जी के पथ पर चलने हेतु आग्रह किया। अनुसूचित जनजाति के प्रदेश उपाध्यक्ष शैलेश गिरेजे ने युवाओं का मार्गदर्शन किया। युवा मोर्चा जिलाध्यक्ष मनोज सिंह ठाकुर ने युवाओं से आग्रह किया कि स्वामी विवेकानंद जी का चित्र अपने घर में लगाएं एवं उनके मार्गदर्शन पर चले। पूर्ण पार्षद जितेंद्र शर्मा, नगर अध्यक्ष पीयूष अग्रवाल, नगर महामंत्री संगीता भार्गव अदि ने भी युवाओं को मार्गदर्शन किया। इस दौरान भारतीय जनता युवा मोर्चा नगर अध्यक्ष अमित जोशी, महामंत्री ऋषभ सोलंकी, आशीष कौशल उपाध्यक्ष मोहित पंडित, वैष्व श्रीवास, यश खेती मोटी सोलंकी, रुपेश महेश्वरी, गौरव यादव कमलेश राज वर्मा, अश्विन वर्मा, एवं समस्त युवा मोर्चा उपस्थित थे।



दिव्यता से संपर्क का अवसर है मकर संक्रान्ति

हम तिल की तरह हैं। हमारा इस ब्रह्मांड में होने का महत्व क्या है? जीवन क्या है? हमारा जीवन छोटे से तिल के समान है, एक कण! देखा जाए तो कुछ नहीं। तिल बाहर से काला होता है और अंदर से सफेद। यह दर्शाता है कि हमें अपना अंदर उजला यानि शुद्ध रखना है। यदि आप तिल को थोड़ा-सा रगड़ें, तो वह बाहर भी सफेद हो जाता है, अर्थ यही है कि हम याद रखना चाहिए कि हम सहज, सामान्य, असंतुष्ट भुनाइये और अपने नवीन संकल्प इस दिन से प्रारंभ करिए। जब आप इस अध्यात्म के रास्ते पर आ जाते हैं, तब आपके लिए कोई वर्ष, कोई दिन या कोई पल ऐसा नहीं होता है कि वह दिव्य न हो।

मकर संक्रान्ति का महत्व होता है कि सूर्योदय उत्तरायण हो जाता है। यह एक प्रयोगवादी सत्य है। हम अपने आसपास कई लोगों को देखते हैं। यह उत्त

ज्ञानोदय गोड्डा ने ई-गवर्नेंस के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार जीता

ज्ञानोदय अदाणी फाउंडेशन की ऑनलाइन शिक्षा पहल है

मुंबई। एजेंसी

झारखंड के गोड्डा जिले की शिक्षा में बदलाव लाने वाली एक ऑनलाइन पहल, ज्ञानोदय गोड्डा परियोजना ने राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस पुरस्कार हासिल किया है। गोड्डा के एसडीओ ऋतुराज और अदाणी सीएसआर की परियोजना टीम को हैदराबाद में 24वें राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सम्मेलन में ट्रॉफी, प्रशस्ति पत्र और एक लाख रुपये का चेक मिला। पुरस्कार समारोह की अध्यक्षता केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और तेलंगाना शहरी विकास मंत्री के टी. री. रामाराव ने की। यह पुरस्कार कोविड महामारी के दौरान

शिक्षा में नवाचार को मान्यता देता है। गौरतलब है कि अदाणी फाउंडेशन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में स्मार्ट क्लासेज के ज़रिये छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करता रहा है। ज्ञानोदय ऐप और मोबाइल लर्निंग वैन ज्ञानोदय रथ के माध्यम से बच्चों को शैक्षिक रूप से जोड़े रखने का अभिनव प्रयोग कोविड महामारी के दौरान बहुत प्रभावी साबित हुआ।

ज्ञानोदय अदाणी फाउंडेशन द्वारा एक ऑनलाइन शिक्षा पहल है, जो झारखंड के गोड्डा जिले के ग्रामीण छात्रों को अधिक कुशलता से सीखने में मदद करता है। गोड्डा जिला प्रशासन और एकोवेशन

प्राइवेट लिमिटेड के सहयोग से, यह सतत विकास लक्ष्य (एसडीजी) 4, यानी गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को आगे बढ़ाते हुए, स्मार्ट कक्षाओं के माध्यम से एक अत्याधुनिक इंटरैक्टिव पाठ्यक्रम प्रदान कर रहा है।

ज्ञानोदय ने स्कूल छोड़ने की दर को कम किया है, उपस्थिति दर में वृद्धि तेज की है, और परीक्षाओं में छात्रों के प्रदर्शन के ठोस नतीजे दिए हैं। 2018 में शुरू हुई यह परियोजना जिले के 276 स्कूलों में 70,000 छात्रों तक पहुंच चुकी है। 2019-20 कक्षा 10वीं की बोर्ड परीक्षा में, गोड्डा जिले का उत्तीर्ण प्रतिशत



75% तक पहुंच गया, जो 2018-19 के 66% और 2017-18 के 50% की तुलना में भारी उन्नति रही। इस पहल ने

330 स्कूलों के शिक्षकों को भी शैक्षणिक नतीजों को देखते हुए, 2021-22 के लिए तैयार करने राज्य सरकार ने पूरे राज्य में ज्ञानोदय के लिए प्रशिक्षित किया है। इस मॉडल को लागू करने का निर्णय जिले में छात्रों द्वारा हासिल लिया है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने 'एक्सिस सीपीएसई प्लस एसडीएल 2025 70:30 डेट इंडेक्स फंड' लॉन्च किया

मुंबई। एजेंसी

एक्सिस म्यूचुअल फंड, जोभारत में सबसे तेजी से बढ़ते फंड हाउसों में से एक है, ने अपने नए फंड ऑफर -'एक्सिस सीपीएसई प्लस एसडीएल 2025 70:30 डेट इंडेक्स फंड' के लॉन्च की घोषणा की। यह एक टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड है जिसकी बेंचमार्क मैच्योरिटी की तारीख 30 अप्रैल, 2025 है। नया फंड क्रिसिल आईबीएक्स 70:30 सीपीएसई प्लस एसडीएल - अप्रैल 2025 के घटकों में मुख्य रूप से निवेश करने वाला एक ओपन-एंडेड टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड ■पोर्टफोलियो में एएरेटेड केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और एसओवी-रेटेड एसडीएल प्रतिभूतियां शामिल होंगी ■बेंचमार्क: क्रिसिल आईबीएक्स 70:30 सीपीएसई प्लस एसडीएल - अप्रैल 2025 ■बेंचमार्क मैच्योरिटी: 30 अप्रैल, 2025 ■एनएफओ तारीख: 10 जनवरी, 2022 से 20 जनवरी, 2022 ■न्यूनतम निवेश: 5,000 रु. और उसके बाद 1/- रु. के गुणकों में ■फंड प्रबंधक: देवांग शाह और कौस्तुभ सुले

वाली प्रतिभूतियों के तरलता स्कोर के आधार पर, शीर्ष 7 सीपीएसई समाधान है। फंड के जीवन भर निवेशित रहने वाले निवेशकों के जारीकर्ताओं का चयन सुचकांक

महत्वपूर्ण बिंदु

■मध्यम व्याज दर जोखिम और अपेक्षाकृत कम क्रेडिट दर जोखिम के साथ क्रिसिल आईबीएक्स 70:30 सीपीएसई प्लस एसडीएल - अप्रैल 2025 के घटकों में मुख्य रूप से निवेश करने वाला एक ओपन-एंडेड टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड ■पोर्टफोलियो में एएरेटेड केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम और एसओवी-रेटेड एसडीएल प्रतिभूतियां शामिल होंगी ■बेंचमार्क: क्रिसिल आईबीएक्स 70:30 सीपीएसई प्लस एसडीएल - अप्रैल 2025 ■बेंचमार्क मैच्योरिटी: 30 अप्रैल, 2025 ■एनएफओ तारीख: 10 जनवरी, 2022 से 20 जनवरी, 2022 ■न्यूनतम निवेश: 5,000 रु. और उसके बाद 1/- रु. के गुणकों में ■फंड प्रबंधक: देवांग शाह और कौस्तुभ सुले

AXIS MUTUAL FUND

की स्थापना के समय किया जाएगा।

एसडीएल घटक (30%): 1,000 करोड़ रु. के न्यूनतम O/S के साथ शीर्ष 6 एसडीएल चयनित आधार तरलता

यह लॉन्च डेट निवेशकों के लिए निष्क्रिय निवेश की सुविधा प्रदान करेगा, जिसमें उन्हें एक ऐसा फंड दिया जाएगा, जिसकी अवधि तीन साल के करीब होगी, जिससे वे कम अवधि की रणनीतियों का लाभ उठा सकेंगे।

टारगेट मैच्योरिटी इंडेक्स फंड एक निर्धारित निवेश अवधि वाले निवेशकों के लिए एक आदर्श

को नकारने के उद्देश्य से, वे मुख्य निश्चित आय पोर्टफोलियो बनाने के लिए सबसे उपयुक्त हैं। यह लॉन्च इस सेगमेंट को निवेशकों की एक विस्तृत श्रृंखला के लिए एक आकर्षक प्रस्ताव बनाने की दिशा में एक और कदम है।

एनएफओ के लॉन्च पर, एक्सिस एएमसी के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी अधिकारी, चंद्रेश निगम ने कहा, 'एक ऐसे फंड हाउस के रूप में जो गुणवत्तापूर्ण संपत्तियों में 'जिम्मेदार निवेश' की अपनी विचारधारा में गहराई से निहित है, हमारा लक्ष्य

निवेशकों के लिए अच्छे समाधान प्रदान करना है। एक्सिस सीपीएसई प्लस एसडीएल 2025 70:30 डेट इंडेक्स फंड' का लॉन्च समय के साथ हमारे निष्क्रिय उत्पाद सूट को मजबूत करने के हमारे प्रयास के अनुरूप है। निवेशकों को निष्क्रिय स्थान के भीतर एक आकर्षक रूप रणनीति की पेशकश करके, हम ऐसे मजबूत उत्पाद पेश करना चाहते हैं जो वर्तमान संदर्भ में प्रासंगिक हैं।'

फंड की शीर्ष विशेषताओं में निम्नलिखित शामिल हैं:

■अवधि: तीन साल की अवधि में यीत्व में 100 बीपीएस से ज्यादा की बढ़ोत्तरी देखी गई है

■कार आवंटन: तीन साल की निवेश अवधि के साथ निवेश करने के लिए इच्छुक निवेशकों के लिए आदर्श समाधान

पोर्टफोलियो मेकेनिक्स: अपने मूल निश्चित आय पोर्टफोलियो का निर्माण करने के इच्छुक निवेशकों के लिए कम लागत का परेशानी मुक्त समाधान

■सरल और आसान: लक्ष्य परिपक्वता और उच्च गुणवत्ता वाले पोर्टफोलियो को इंडेक्सेशन के लाभ के साथ जोड़ा गया। न्यू फंड ऑफर (एनएफओ) सब्सक्रिप्शन के लिए 10 जनवरी से 20 जनवरी 2022 तक खुला है।

महाराष्ट्र में अब तक हुआ 546 लाख किंवंटल चीनी उत्पादन

मुंबई। आईपीटी नेटवर्क

महाराष्ट्र में चीनी मिलों का संचालन कोरोना के मामलों में बढ़ोत्तरी के बावजूद अच्छे से चल रहा है। चीनी आयुकाल्य के आकड़ों के मुताबिक, सीजन 2021-22 में 10 जनवरी, 2022 तक महाराष्ट्र में कुल मिलाकर 192 चीनी मिलों ने पेराई शुरू कर दी है। जिसमें 95 सहकारी एवं 97 निजी चीनी मिलें शामिल हैं, और 556.01 लाख टन गत्रों की पेराई की जा चुकी है। राज्य में अब तक 546.49 लाख किंवंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। राज्य में फिलहाल औसत चीनी रिकवरी 9.83 प्रतिशत है। राज्य में सबसे ज्यादा चीनी उत्पादन

कोल्हापुर विभाग में हुआ है। कोल्हापुर विभाग में फिलहाल 132.81 लाख टन गत्रा पेराई कर 148.27 लाख किंवंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। और यहां चीनी रिकवरी 11.16 प्रतिशत है।

सीजन 2021-22 में 10 जनवरी, 2022 तक पुणे में कुल मिलाकर 29 चीनी मिलों ने पेराई शुरू कर दी है। जिसमें 16 सहकारी एवं 13 निजी चीनी मिलें शामिल हैं, और 113.89 लाख टन गत्रों की पेराई की जा चुकी है। पुणे विभाग में अब तक 114.13 लाख किंवंटल चीनी का उत्पादन किया गया है। पुणे विभाग में फिलहाल औसत चीनी रिकवरी 10.02 प्रतिशत है।

बाइक बाजार फाइनेंस ने नवंबर 2021 में हीरो मोटोकॉर्प के टू-व्हीलर्स के लिए 100 करोड़ रुपये का लोन वितरित किया

मुंबई। एजेंसी

बाइक बाजार फाइनेंस ने नवंबर 2021 में हीरो मोटोकॉर्प की मोटरसाइकिलों एवं स्कूटर्स की रेंज के लिए 100 करोड़ रुपये का लोन वितरित किया है। बाइक बाजार फाइनेंस, बाइक बाजार की एक शाखा है और भारत की पहली टू-व्हीलर लाइफ साइकल मैनेजमेंट कंपनी है। बाइक बाजार फाइनेंस दुनिया के सबसे बड़े मोटरसाइकिल और स्कूटर निर्माता हीरो मोटोकॉर्प के साथ मिलकर मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत

अपार्टमेंट की तुलना में रिहायशी जमीन में निवेश पर मिलता है ऊंचा 'रिटर्न' : रिपोर्ट

नयी दिल्ली। एजेंसी

निवेश के लिहाज से रिहायशी भूखंड अब भी अपार्टमेंट खरीदने से बेहतर है। यह बात देश के आठ बड़े शहरों में वर्ष 2015 से आवासीय भूखंड की कीमतों में वृद्धि से पता चलती है। एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। मकान, जमीन आदि के बारे में जानकारी देने वाली हाउसिंग डॉटकॉम के अनुसार, रिहायशी भूखंडों की कीमतों में 2015 से सालाना औसतन सात प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई है,

जबकि इस अवधि के दौरान अपार्टमेंट में सालाना दो प्रतिशत की ही वृद्धि हुई है। आरई इंडिया के स्वामित्व वाली इकाई हाउसिंग डॉटकॉम ने एक बयान में कहा, “देश में रिहायशी भूखंड अपार्टमेंट खरीदने से बेहतर है। भूखंडों से रिटर्न 2015 से अपार्टमेंट के मुकाबले अधिक है।” इसमें जिन आठ शहरों को शामिल किया गया है, वे हैं...राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली, मुंबई, पुणे, बैंगलुरु, हैदराबाद, चेन्नई, कोलकाता और अहमदाबाद।

हाउसिंग डॉटकॉम, मकान डॉटकॉम एवं प्रॉपटाइगर डॉटकॉम के समूह मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) ध्रुव अग्रवाल ने कहा, “रिहायशी भूखंड से निवेश पर ज्यादा रिटर्न मिला है। इसका एक कारण बड़े शहरों में बड़े भूखंडों की कमी से जमीन की सीमित आपूर्ति हो सकती है।” उन्होंने कहा, “कोविड-19 महामारी के दौरान जमीन और स्वतंत्र मंजिल (इडिपेंडेंट फ्लॉर) पर बने मकानों की मांग में जोरदार इजाफा हुआ है। कंपनियां

बड़े शहरों के बाहरी क्षेत्रों में इस तरह की परियोजनाओं को शुरू कर इस मांग में आई वृद्धि को पूरा करने की कोशिश कर रही हैं।”

हाउसिंग डॉटकॉम ने यह भी कहा कि उक्त आठ शहरों में लोग भूखंड के बजाय अपार्टमेंट खरीदने को तरजीह दे रहे हैं। फ्लैट पसंद करने के पीछे सुरक्षा और वैकल्पिक बिजली की बेहतर व्यवस्था, कार पार्किंग, क्लब, जिम, स्विमिंग पूल की कीमतों में वृद्धि 2-6 प्रतिशत के दायरे में बनी हुई हैं।”

रिलायंस इंडस्ट्रीज 9.81 करोड़ डॉलर में न्यूयॉर्क के 'आलीशान' होटल मैंडरिन ओरिएंटल का अधिग्रहण करेगी

नयी दिल्ली। एजेंसी

रिलायंस इंडस्ट्रीज न्यूयॉर्क में प्रीमियम लग्जरी होटल मैंडरिन ओरिएंटल का अधिग्रहण करने जा रही है। यह सौदा करीब 9.81 करोड़ डॉलर में होगा। मैंडरिन ओरिएंटल अपने बॉलरूम, पांच-सितारा स्पा और खाने-पीने के स्थानों के लिए जाना जाता है। आयरलैंड के अभिनेता लियाम नीसन और अमेरिकी अभिनेत्री लूसी लियू यहां नियमित रूप से आने वाले मेहमानों में शामिल हैं। रिलायंस इंडस्ट्रीज यह अधिग्रहण अपनी एक अनुषंगी के जरिये करेगी।

मैंडरिन ओरिएंटल होटल 2003 में बना था। यह 80 कोलंबस सर्किल में स्थित है और इसकी पहचान प्रतिष्ठित लग्जरी

होटलों में है। यह प्रिस्टीन सेंट्रल में होटलों में है। यह प्रिस्टीन सेंट्रल पार्क और कोलंबस सर्किल के पास है। इस होटल में 248 कमरे और सुइट हैं। मैंडरिन ओरिएंटल न्यूयॉर्क 35 से 54 मजिलों पर है।

मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज ने शनिवार को शेयर बाजारों को भेजी सूचना में कहा, “रिलायंस इंडस्ट्रीज की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी रिलायंस इंडस्ट्रीज यह इन्वेस्टमेंट्स एंड होलिंग्स लिमिटेड (आरआईआईएचएल) ने कोलंबस सेंटर कॉर्पोरेशन (केमैन) की संपूर्ण जारी शेयर पूँजी के अधिग्रहण के लिए समझौता किया है। केमैन आइलैंड में स्थापित इस कंपनी के पास मैंडरिन ओरिएंटल की 73.37 प्रतिशत हिस्सेदारी है। यह सौदा 9.81 करोड़ डॉलर से अधिक

में होगा।” एक साल से भी कम समय में रिलायंस द्वारा किसी चर्चित होटल का यह दूसरा अधिग्रहण है। पिछले साल अप्रैल में रिलायंस ने ब्रिटेन में स्टोक पार्क लिमिटेड का अधिग्रहण किया था। मुकेश अंबानी की अगुवाई वाले रिलायंस समूह के पास करीब 2.6 लाख करोड़ रुपये की नकदी है। अंबानी इस नकदी का इस्तेमाल कर ‘बदलाव’ की तैयारी कर रहे हैं। वह समूह के डिजिटल और खुदरा कारोबार को रिलायंस के लिए एक बड़ा स्तंभ बनाना चाहते हैं। इससे रिलायंस समूह की मुनाफे के लिए अपने परंपरागत तेल शोधन कारोबार पर निर्भरता कम होगी।

यह सौदा मार्च, 2022 तक पूरा होने की उम्मीद है। इसके लिए कुछ परंपरागत नियामकीय

और मंजूरियां ली जानी हैं। कंपनी ने कहा है कि होटल में हिस्सेदारी रखने वाले अन्य भागीदारों के बिक्री प्रक्रिया में शामिल होने पर आरआईआईएचएल इसमें शेष 26.63 प्रतिशत हिस्सेदारी भी खरीदेगी। इसके लिए भी मूल्यांकन केमैन की कंपनी से किए गए अधिग्रहण के समान होगा। फिलहाल रिलायंस का ईआईएचएल लिमिटेड में निवेश है। इसके अलावा वह कनेंशन सेंटर, होटल और प्रबंधित आवास क्षेत्र का विकास कर रही है। मैंडरिन ओरिएंटल पिछले साल एक अप्रैल को दोबारा खुल गया था। हालांकि, अन्य प्रमुख होटलों की तरह यहां भी अधिक खर्च करने वाले मेहमानों और विदेशों से कारोबारी यात्रा के लिए आने वाले ग्राहकों की कमी है।



टोयोटा ने 41.7 लाख रुपये में उतारी अपनी नयी कैमरी हाइब्रिड

नयी दिल्ली। एजेंसी

टोयोटा किलोस्कर मोटर (टीकेएम) ने बुधवार को घेरेलू बाजार में अपनी प्रीमियम सेडान कार कैमरी हाइब्रिड का नया संस्करण उतारा है। दिल्ली में इसकी शोरूम कीमत 41.7 लाख रुपये है। टोयोटा के अनुसार, नयी कैमरी में सामने की तरफ नया बैंपर, ग्रिल और नए अलाय व्हील दिए गए हैं। इसके साथ ही गाड़ी में नौ इंच लंबा इंफोटेनमेंट सिस्टम दिया गया है। इसके अलावा खुद से चार्ज होने वाली हाइब्रिड इलेक्ट्रिक सेडान अब मौजूदा रॉयलों के साथ मेटल स्ट्रीम मेटैलिक के नए रंग में उपलब्ध है। कंपनी प्लॉटिनम व्हाइट पर्ल, सिल्वर मेटैलिक, ग्रेफाइट मेटैलिक, रेड मीका, एटिट्यूड ब्लैक और बर्निंग ब्लैक में भी कैमरी की पेशकश करती है। टीकेएम के सहायक उपाध्यक्ष (बिक्री और रणनीति विषय) अतुल सूद ने एक बयान में कहा, “कैमरी हाइब्रिड शक्ति और लग्जरी का एक शानदार मिश्रण है। इसे हमारे ग्राहकों को सुखद ड्राइविंग अनुभव प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। साथ ही, इसे पर्यावरण और टिकाऊ भविष्य को ध्यान में रख कर तैयार किया गया है।”

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक सचिन बंसल द्वारा अपनी दुनिया प्रिंटर्स, 13, प्रेस काप्लेक्स, ए.वी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 18, सेक्टर-डी-2, सांवरे रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, जिला इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित। संपादक- सचिन बंसल

सूचना/चेतावनी- इंडियन प्लास्ट टाइम्स अखबार के पूरे या किसी भी भाग का उपयोग, पुनः प्रकाशन, या व्यावसायिक उपयोग बिना संपादक की अनुमति के करना वर्जित है। अखबार में छपे लेख या विज्ञापन का उद्देश्य सूचना और प्रस्तुतिकरण मात्र है। अखबार किसी भी व्यावसायिक गतिविधि के लिए स्वविवेक से निर्णय करें। किसी भी विवाद की स्थिति में न्याय क्षेत्र इंदौर, मप्र रहेगा।

इंडिया आईएनएक्स के सदस्य अब गिफ्ट सिटी के जरिए मॉस्को एक्सचेंज में कर सकेंगे कारोबार

नयी दिल्ली। आईएनटी नेटवर्क

लंदन स्थित ब्रोकर-डीलर सोवा कैपिटल ने सोमवार को कहा कि उसने एक समझौता किया है, जिसके तहत इंडिया आईएनएक्स के सदस्यों और उनके ग्राहकों को रूस के बाजार तक पहुंच मिलेगी। एक बयान के अनुसार इस साझेदारी के जरिए भारतीय निवेशक मॉस्को एक्सचेंज (एमआईएक्स) में कारोबार कर सकेंगे।

एक्सचेंज रूस के इक्विटी, बॉन्ड, डेरिवेटिव, विदेशी मुद्रा विनियम बाजार और मुद्रा बाजार के लिए मुख्य कारोबारी मंच है। इंडिया आईएनएक्स ग्लोबल एक्सेस ईएफएससी लिमिटेड, बीएसई के इंडिया आईएनएक्स की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी है। कंपनी ने एक मंच शुरू किया है, जिसके जरिए भारतीय ग्राहक विदेशी शेयरों का कारोबार कर सकते हैं। यह गिफ्ट आईएफएससी में स्थापित भारत का पहला अंतर्राष्ट्रीय एक्सचेंज है। सोवा कैपिटल के निदेशक (बिक्री) तात्त्विका प्रिमक ने कहा, “हमें इंडिया आईएनएक्स के साथ गठजोड़ के जरिए भारतीय निवेशकों को मास्को एक्सचेंज के सभी खंडों - इक्विटी, शेयर, डेरिवेटिव, विदेशी मुद्रा विनियम हजिर बाजार - तक पहुंच मुहैया कराने की खुशी है।”

अमेरिका में ग्रोसरी स्टोर के रैक इन दिनों क्यों दिख रहे हैं खाली!

नई दिल्ली। एजेंसी

अमेरिका में इन दिनों ग्रोसरी स्टोर्स के रैक खाली पड़े हैं। बड़ी संख्या में लोग दूध, ब्रेड, मीट, डिब्बाबंद सूप और कलीनिंग प्रोडक्ट जैसी रोजमरा की चीजें लेने वाले इन स्टोर्स में पहुंच रहे हैं लेकिन उन्हें वहां खाली रैक मिल रहे हैं। हताश लोग सोशल मीडिया पर अपनी भडास निकाल रहे हैं और इन स्टोर्स में खाली पड़े रैक की तस्वीरें साझा कर रहे हैं। दरअसल कोरोनावायरस के नए वैरिएंट ओमीक्रोन के फैलने से देश में ट्रांसपोर्टेशन और ल